एनआईसी
National Informatics Centre

सांकेतिका श्रवन्ति
సాంకేతిక ప్రవంతి

एनआईसी तेलंगाना फोकस: सेवाएं , सूचना और पहल

एनआईसी तेलंगाना त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र | वॉल्यूम संख्या: 01 | मुद्दा संख्या: 02 | जुलाई 2025

गतिविधियों की एक झलक

श्री के शशांक, आईएएस का संदेश
खान एवं भूविज्ञान निदेशक
तेलंगाना सरकार

एस.आई.ओ. तेलंगाना ने आईटीईएंडसी विभाग तेलंगाना सरकार के नव नियुक्त विशेष मुख्य सचिव से डिजिटल सहयोग सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सौजन्य भेंट की।

ई-माइनिंग परियोजना तेलंगाना राज्य में खान क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एन.आई.सी.) के सहयोग से विकसित इस अभिनव मंच ने पूरे तेलंगाना में खनिज गतिविधि को विनियमित करने के तरीके को बदल दिया है।

डिजिटल वर्कफ्लो, स्वचालित परमिट प्रमाणीकरण और सुव्यवस्थित खनिज प्रेषण निगरानी की शुरुआत करके, इस प्रणाली ने विभाग के कामकाज में अधिक पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही लाई है।

टीजी ईमाइनिंग मोबाइल ऐप एक व्यापक और तकनीकी रूप से उन्नत समाधान है, जिसे तेलंगाना में खनिज परिवहन को सुव्यवस्थित और विनियमित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह खान और खनिज परिवहन क्षेत्र में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए वास्तविक समय सत्यापन, ऑनलाइन भुगतान और स्वचालित अनुपालन जांच को एकीकृत करता है। यह यूजर फ्रेंडली ऐप ई-गवर्नेंस और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

मैं खान और भूविज्ञान विभाग और एनआईसी टीम के समर्पित अधिकारियों की इस व्यापक समाधान की अवधारणा, विकास और सफलतापूर्वक कार्यान्वयन में उनके अथक प्रयासों के लिए सराहना करता हूं।

ई-माइनिंग परियोजना इस बात का जीता-जागता उदाहरण है कि खनिज क्षेत्र में प्रौद्योगिकी सतत विकास और शासन उत्कृष्टता को कैसे आगे बढ़ा सकती है।

श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ तेलंगाना और वरिष्ठ निदेशक (आईटी) ने श्री संजय कुमार, आईएएस, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग और उद्योग और वाणिज्य (आईटीईएंडसी) विभाग, तेलंगाना सरकार के लिए नवनियुक्त विशेष मुख्य सचिव से मुलाकात की। एसआईओ तेलंगाना के साथ सुश्री अच्युता वेणु, एएसआईओ (जिला) और वरिष्ठ निदेशक (आईटी), श्री रेनिल जॉन, एएसआईओ (जिला) और वरिष्ठ निदेशक (आईटी) और श्री एस कृष्णा, वरिष्ठ निदेशक (आईटी) और विभागाध्यक्ष (एलआरएमएस) थे। एनआईसी प्रतिनिधिमंडल ने हार्दिक बधाई व्यक्त की और विशेष मुख्य सचिव (आईटीएंडसी) को अपनी शुभकामनाएं दीं जो राज्य के डिजिटल शासन परिदृश्य का मार्गदर्शन करने में इस महत्वपूर्ण भूमिका में कदम रखा है। यह भेंट तकनीकी प्रगति और समावेशी डिजिटल सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार के दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए एनआईसी की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का एक अवसर था।

मुख्य कार्यक्रम और गतिविधियाँ

परिवहन के सारथी लॉन्च ने तेलंगाना राज्य में नई डिजिटल परिवहन सेवाओं की शुरुआत की (URL: https://sarathi.parivahan.gov.in/sarathiservice)

सारथी सेवाएँ प्लेटफ़ॉर्म 30 अप्रैल 2025 को श्री पोनम्म प्रभाकर, माननीय परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री द्वारा आरटीओ कार्यालय, सिकंदराबाद, हैद्राबाद में शिक्षार्थियों के लाइसेंस जारी करने के लिए पहला पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आधिकारिक रूप से लॉन्च किया गया।

एनआईसी तेलंगाना से श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ एनआईसी तेलंगाना,श्री बी.वी.रेड्डी, डीडीजी और विभागाध्यक्ष सारथी ई-ट्रांसपोर्ट विभाग, श्री राधा कृष्णा,श्रीमती अनुरागामाई, श्री एम.एस.वी. सुब्रमण्यम, श्री श्रीवेङ्कटेश्वर राव,श्री राकेश गुंडी, श्री चंद्रशेखर, श्री वेंकट विजयकुमार, श्री गोवर्धन श्रीकांत श्री कासी रेड्डी,श्री डी. रंजीत कुमार लॉन्च कार्यक्रम में उपस्थित थे।

24 मई 2025 को तेलंगाना राज्य पॉलिटेक्निक सामान्य प्रवेश परीक्षा (टीएस पोलीसेट) 2025 के परिणाम एवं रैंक कार्ड की आधिकारिक घोषणा

यह कार्यक्रम तकनीकी शिक्षाायुक्त के कार्यालय, सांकेतिक भवन, मसाब टैंक, हैद्राबाद में आयोजित किया गया था, इस परीक्षा और परिणाम प्रसंस्करण ने एक और सफल वर्ष चिह्नित किया इस कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षाायुक्त, श्रीमती ए. श्रीदेवसेना, आईएएस ने भाग लिया, जिन्होंने आधिकारिक तौर पर परिणाम ऑनलाइन घोषित किए और उन्हें परिणाम को प्रिंट मीडिया कर्मियों को सीडी पर वितरित किया। श्री गुंटुकू प्रसाद, एसआईओ एनआईसी तेलंगाना, श्री गोवर्धन श्रीकांत, वैज्ञानिक-एफ और विभागाध्यक्ष, श्री डी. बलदेव, वैज्ञानिक- एफ, श्री चप्पीदी रवीन्द्रनाथ रेड्डी, वैज्ञानिक-एफ, श्रीमती दीपिका अलामुरी, वैज्ञानिक-डी, और श्रीमती शकीना नल्लागाटला, वैज्ञानिक-सी परिणाम जारी होने के दौरान उपस्थित थे।

टीएस पॉलीसेट तेलंगाना भर में सरकारी और निजी पॉलिटेक्निक संस्थानों द्वारा पेश किए जाने वाले इंजीनियरिंग और गैर-इंजीनियरिंग विषयों में डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राज्य स्तरीय परीक्षा है। इस वर्ष टीएस पॉलीसीईटी ने राज्य भर में पॉलिटेक्निक और डिप्लोमा स्तर के इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश प्राप्त करने के महत्वाकांक्षी 1.2 लाख से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

पंजीकरण विभाग,तेलंगाना में विलेख के पंजीकरण के लिए उन्नत स्लॉट बुकिंग

10 अप्रैल, 2025 को सॉफ्ट लॉन्च के दौरान, श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ, एनआईसी तेलंगाना, श्री श्रीनिवास सुब्बा राव आकेल्ला, वरिष्ठ निदेशक (आईटी) और विभागाध्यक्ष श्री बापूजी नक्का, संयुक्त निदेशक (आईटी), और पंजीकरण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी इस प्रणाली की शुरूआत और सुचारू रूप से शुरू होने की देखरेख करने के लिए मौजूद थे। सॉफ्ट लॉन्च के पहले दिन, पंजीकरण सेवाओं की मांग करने वाले नागरिकों द्वारा कुल 600 से अधिक स्लॉट सफलतापूर्वक आरक्षित किए गए।

16 जून 2025 को आयोजित किया - रैतु भरोसा - कृषि निवेश सहायता योजना 2025 किसानों को सशक्त बनाना और कृषि को मजबूत करना

प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय, हैद्राबाद में रैतु नेस्थम कार्यक्रम ने रैतु वेदिका वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से राज्य व्यापी किसानों के साथ वास्तविक समय की बातचीत को सक्षम बनाया। इस कार्यक्रम को माननीय मुख्यमंत्री श्री ए. रेवंत रेड्डी, माननीय कृषि मंत्री श्री टी. नागेश्वर राव की उपस्थिति में वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ एनआईसी तेलंगाना, श्री के. राधा कृष्णा, वरिष्ठ निदेशक(आईटी) और एएसआईओ, श्री टी. बालासुंदरम, वरिष्ठ निदेशक (आईटी) और विभागाध्यक्ष, श्री एन सीएच आर चक्रवर्ती, निदेशक (आईटी), सुश्री एम. सैलाजा, संयुक्त निदेशक (आईटी) के साथ सम्मानित किया गया।

12 मई 2025 को एनआईसी तेलंगाना के त्रैमासिक समाचार पत्र "सांकेतिका श्रवन्ति" के उद्घाटन संस्करण का शुभारम्भ

श्री नवीन मित्तल, आईएएस, प्रधान सचिव (राजस्व) और भूमि प्रशासन के मुख्य आयुक्त, तेलंगाना सरकार एनआईसी तेलंगाना के त्रैमासिक समाचार पत्र "सांकेतिका श्रवन्ति" के उद्घाटन संस्करण श्री मकरंद मांडा, आईएएस, परियोजना निदेशक (सीएमआरओ), श्री वी. टी. वी. रमण डीडीजी (वीसी पर) और राज्य समन्वयक, एनआईसी तेलंगाना, श्री गुंटुकु प्रसाद, राज्य सूचना अधिकारी, श्री के. राधा कृष्ण, एएसआईओ (राज्य), एनआईसी अधिकारी, डीआईओ और कर्मचारी के उपस्थिति में 12 मई 2025 को शुभारंभ किया।

एनआईसी हैद्राबाद राज्य केंद्र में नव पुनर्निर्मित मंजिल का उद्घाटन एक नई शुरुआत प्रतीक है

एनआईसी तेलंगाना को यह बताते हुए खुशी है कि एनआईसी हैद्राबाद में नवीनीकृत चौथी मंजिल का आधिकारिक तौर पर 12 मई 2025 उद्घाटन श्री गुंटुकू प्रसाद, एसआईओ तेलंगाना द्वारा एक औपचारिक रिबनकटिंग से की, श्री वी.टी.वी रमना,राज्य समन्वयक (वीसी से), श्री राधाकृष्ण, एएसआईओ (राज्य) सुश्री अच्युत वेणु, एएसआईओ (जिलों), श्री रेनील जॉन एएसआईओ (जिलों), विभागाध्यक्ष, अधिकारियों, डीआईओ (वीसी से), प्रशासनिक दल और कर्मचारी शामिल हुए।

प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण

9 अप्रैल, 2025 को जागरूकता और संवेदीकरण कार्यशाला। उपयोगकर्ता अनुभव और डिज़ाइन प्रणाली (ऐप यूआरएल: www.ux4g.gov.in)

यह कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया था, सुबह 11:00 बजे और दोपहर 1:50 बजे, राज्य विभागाध्यक्षों, नामित एनआईसी अधिकारियों, जिला सूचना अधिकारियों और संबंधित क्षेत्र में कार्यरत आउटसोर्सिंग तेलंगाना के डेवलपर्स के लिए। कार्यशाला के उद्घाटन भाषण में, राज्य सूचना अधिकारी, तेलंगाना श्री गुंटुकु प्रसाद ने ई-गवर्नेंस अनुप्रयोगों में यूआई/यूएक्स मानकों और उपकरणों से परिचित होने और उनका पालन करने पर ज़ोर दिया।

10 अप्रैल, 2025 को नारायणपेट जिला केंद्र, तेलंगाना में ई-ऑफिस कार्यशाला आयोजित की गई

श्री रेनिल जॉन, वरिष्ठ निदेशक (आईटी) एवं एएसआईओ (जिला), श्री शराफ श्रीनिवास राव, निदेशक (आईटी), श्री एम. सत्यनारायण मूर्ति, महबूबनगर के पूर्व डीआईओ, और श्री अभय कुमार राय, महबूबनगर एनआईसी टीम के साथ जिला कलेक्टर, श्रीमती सिक्ता पटनायक, आईएएस से मिले। नारायणपेट जिले के 42 विभागों के लगभग 100 व्यक्तियों ने एक दिवसीय ऑन-साइट प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया।

सारथी ड्राइविंग लाइसेंस सॉफ्टवेयर पर 2 से 4 जून तक 3 दिवसीय मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, हैद्राबाद, तेलंगाना द्वारा आयोजित किया गया।

इस पहल का उद्देश्य क्षेत्रीय अधिकारियों के तकनीकी कौशल को बढ़ाना और राज्य भर में सारथी मॉड्यूल का एक समान कार्यान्वयन सुनिश्चित करना था। श्री सुरेंद्र मोहन, आईएएस, टीजी परिवहन आयुक्त, श्री। -चंद्रशेखर गौड़, संयुक्त आयुक्त टीजी परिवहन विभाग, श्री. गुंतुकु प्रसाद, एसआईओ, एनआईसी, तेलंगाना, श्री। के.राधा कृष्णा, वैज्ञानिक-एफ एवं एएसआईओ राज्य, श्रीमती वी.अनुरागमई, वैज्ञानिक-एफ एवं विभागाध्यक्ष, सारथी (ईट्रांसपोर्ट), श्री गोवर्धन श्रीकांत, वैज्ञानिक-एफ एवं विभागाध्यक्ष, श्री एम.एस.वी. सुब्रह्मण्यम, वैज्ञानिक-एफ एवं एचओडी, डेटा एनालिटिक्स(ईट्रांसपोर्ट), श्री राकेश एस गुंडी, वैज्ञानिक-एफ, सारथी (ईट्रांसपोर्ट), श्री एम.जी.चंद्र शेखर, वैज्ञानिक-एफ, सारथी (ईट्रांसपोर्ट), श्री वी.एन.वेंकट विजय कुमार, वैज्ञानिक-एफ, सारथी (ईट्रांसपोर्ट) और श्री। एस। कासी रेड्डी, वैज्ञानिक-ई और वाहन/सारथी और ईडीएआर राज्य, एनआईसी समन्वयक, तेलंगाना उपस्थित थे।

आईसीटी के माध्यम से हितधारकों को सशक्त बनाना: ई-माइनिंग में ऑनलाइन स्लैब सिस्टम मॉड्यूल एकीकरण पर प्रशिक्षण।

श्री रवि बांदी, वैज्ञानिक-सी और उप निदेशक (आईटी) ने खम्मम, हनुमाकोंडा, करीमनगर और हैद्राबाद जिलों में लगभग 600 प्रतिभागियों के लिए नव विकसित ऑनलाइन स्लैब सिस्टम मॉड्यूल पर क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

21 जून 2025 को तेलंगाना राज्य के लिए माननीय श्रीमती न्यायमूर्ति टी. माधवी देवी, उच्च न्यायालय द्वारा भारत के संविधान के तहत लैंगिक समानता पर व्याख्यान दिया और पोस्टर का विमोचन किया गया।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), हैद्राबाद, तेलंगाना ने माननीय न्यायमूर्ति टी. माधवी देवी, तेलंगाना राज्य न्यायालय और लिंग संवेदीकरण समिति की अध्यक्ष को 21.6.2025 को एनआईसी, तेलंगाना राज्य केंद्र में "भारत के संविधान के तहत लैंगिक समानता" पर व्याख्यान देने और पीओएसएच पर पोस्टर जारी करने के लिए आमंत्रित किया।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), हैद्राबाद, तेलंगाना में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह - 2025

21 जून, 2025 को, समय: सुबह 6:30 - 7:30 बजे एनआईसी तेलंगाना के हरे-भरे परिसर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां कर्मचारी और अधिकारी योग के समग्र अभ्यास को अपनाने के लिए एकत्र हुए। 21 जून 2025 को एनआईसी तेलंगाना के छठी मंजिल स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में "प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा जीवनशैली रोगों की रोकथाम" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस सत्र का नेतृत्व वैज्ञानिक-ई जी. अप्पी रेड्डी ने किया, जिन्होंने स्वास्थ्य के प्रति समग्र और प्राकृतिक दृष्टिकोण के महत्व पर ज़ोर दिया।

कर्मचारी कॉर्नर

एन.आई.सी तेलंगाना में माननीय सेवानिवृत अधिकारियों को परम्परागत ढंग से विदा किया।

30 अप्रैल 2025 को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (NIC), तेलंगाना राज्य केन्द्र ने हैद्राबाद कार्यालय में एक भावपूर्ण सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया, जिसमें पाँच प्रतिष्ठित अधिकारियों के सेवानिवृत्त होने के उपलक्ष्य में उन्हें सम्मानित किया

इन दिग्गजों - श्री बी. वेंकट रेड्डी, वैज्ञानिक-जी और डीडीजी, श्री मोहम्मद आरिफ अली, वैज्ञानिक-एफ और वरिष्ठ निदेशक (आईटी), श्री पॉल जगदीश, वैज्ञानिक-ई और निदेशक (आईटी), श्रीमती एम. आनंद भारती, वैज्ञानिक-ई और निदेशक (आईटी), और श्री एम. सत्यनारायण मूर्ति, वैज्ञानिक-ई और निदेशक (आईटी) - को एनआईसी और आईसीटी पारिस्थितिकी तंत्र में उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

31 मई 2025 को हमारे सम्मानित सहयोगियों, सुश्री आर. जयश्री, वैज्ञानिक-एफ और वरिष्ठ निदेशक (आईटी), और श्री बोंथा कसाय्या, स्टाफ कार चालक - ग्रेड I की शानदार सेवा और करियर योगदान का सम्मान और उत्सव मनाने के लिए।30 जून 2025 को श्री श्रीधर रेड्डी अमराम, डी.डी.ओ और एस.ओ. की सेवानिवृत्ति का सम्मान दिया।

20.06.2025 को एनआईसी तेलंगाना राज्य केंद्र, हैद्राबाद में राजभाषा हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई

कार्यालय कार्य में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2025-26 के लिए प्रथम त्रैमासिक राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यशाला की अध्यक्षता माननीय श्री गुंटुकु प्रसाद, राज्य सूचना अधिकारी एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष ने की।

इस अवसर पर माननीय श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ एवं अध्यक्ष ओएलआईसी ने वर्ष 2024-25 के दौरान पारंगत एवं प्रबोध योग्य अधिकारियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति

श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ तेलंगाना और अध्यक्ष, दिनांक 24 जून, 2025 की समीक्षा बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने श्री प्रकाश कुमार, निदेशकसीएसआईआर-एनजीआरआई, श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, दक्षिण क्षेत्रीय प्रमुख ओएलआईसी एमएचए, श्रीमती डॉ.एस.कुमारी, निदेशक सीएचटीआई उपसंस्थान सिकंदराबाद और श्री सुब्बा राव, हिंदी अधिकारी और सदस्य सचिव टीओएलआईसी हैद्राबाद के साथ मंच साझा किया।

हमारे नवनियुक्त अधिकारियों का हार्दिक स्वागत है

श्री टी. अभिनव
आदिलाबाद
वैज्ञानिक अधिकारी
इंजीनियर-एस बी

श्री एस मधुसूदन
हैद्राबाद
वैज्ञानिक अधिकारी
इंजीनियर- एस बी

श्री डी नवीन कुमार
करीमनगर
वैज्ञानिक अधिकारी
इंजीनियर- एस बी

तकनीकी अंतर्दृष्टि

डिजिटल सरहद की सुरक्षा: 2025 में प्रमुख साइबर सुरक्षा प्रवृत्तियाँ

आज की अत्यधिक जुड़ी हुई दुनिया में, साइबर सुरक्षा अब केवल एक तकनीकी विकल्प नहीं रह गया है - यह एक रणनीतिक आवश्यकता बन गया है। जैसे-जैसे सरकारी विभाग, उद्योग और नागरिक डिजिटल प्लेटफार्मों पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं, खतरों का परिदृश्य भी तेजी से विकसित हो रहा है। 2025 में साइबर खतरों की जटिलता बढ़ती जा रही है, और इसलिए हमारी सुरक्षा रणनीतियों को भी उतना ही उन्नत होना चाहिए।

यहाँ 2025 में डिजिटल सुरक्षा को आकार देने वाली कुछ प्रमुख साइबर सुरक्षा प्रवृत्तियाँ दी गई हैं:

1. एआई-संचालित खतरा पहचान

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और मशीन लर्निंग (ML) का व्यापक उपयोग रीयल-टाइम में खतरों का पता लगाने के लिए किया जा रहा है। ये प्रणालियाँ भारी मात्रा में डेटा का विश्लेषण करती हैं, पैटर्न की पहचान करती हैं और पारंपरिक तरीकों की तुलना में अधिक तेज़ी से असामान्य गतिविधियों पर प्रतिक्रिया देती हैं।

2. ज़ीरो ट्रस्ट आर्किटेक्चर

अब संगठनों को यह मान लेना बंद करना होगा कि नेटवर्क के अंदर के उपयोगकर्ता या उपकरण भरोसेमंद हैं। ज़ीरो ट्रस्ट मॉडल यह मानता है कि नेटवर्क के अंदर या बाहर किया गया हर अनुरोध एक संभावित खतरा है, और प्रत्येक एक्सेस प्रयास को सख्त पहचान सत्यापन और व्यवहार विश्लेषण के आधार पर मान्यता दी जाती है।

3. रैनसमवेयर-ए-ज़-सेवा (RaaS) का उदय

अब रैनसमवेयर हमले डार्क वेब पर सेवा के रूप में उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे यह कम कौशल वाले हमलावरों के लिए भी सुलभ हो गए हैं। इन खतरों से निपटने के लिए संगठनों को मज़बूत बैकअप रणनीतियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण में निवेश करना चाहिए।

4. क्वांटम-प्रतिरोधी एन्क्रिप्शन

जैसे-जैसे क्वांटम कंप्यूटिंग हकीकत के करीब आती जा रही है, यह पारंपरिक एन्क्रिप्शन विधियों को कमजोर बना सकती है। 2025 में संवेदनशील डेटा की सुरक्षा के लिए क्वांटम-प्रतिरोधी क्रिप्टोग्राफिक एल्गोरिदम विकसित करने पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है।

5. सप्लाई चेन पर हमले

हमलावर अब तीसरे पक्ष के सॉफ़्टवेयर और सेवा प्रदाताओं को अधिक निशाना बना रहे हैं। पूरे सप्लाई चेन—विक्रेताओं, भागीदारों और क्लाउड सेवाओं—में सुरक्षा सुनिश्चित करना अब संगठनों के लचीलापन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

6. सरकारी अनुप्रयोगों में डिज़ाइन द्वारा सुरक्षा

अब साइबर सुरक्षा को डिजिटल शासन प्रणालियों के विकास में एकीकृत किया जा रहा है। सरकारी अनुप्रयोगों को डिज़ाइन द्वारा सुरक्षित (सेक्योर द्वारा डिज़ाइन) दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, जिसमें सुरक्षित कोडिंग, मज़बूत एक्सेस नियंत्रण और डिफ़ॉल्ट रूप से एन्क्रिप्टेड डेटा ट्रांसमिशन शामिल हैं।

7. मानव-केंद्रित सुरक्षा जागरूकता

मानव- केंद्रित सुरक्षा जागरूकता उपयोगकर्ताओं को रक्षा की पहली पंक्ति के रूप में शिक्षित और सशक्त बनाने पर केंद्रित है। मानवीय व्यवहार को संबोधित करके और सतर्कता की संस्कृति को विकसित करके, संगठन सामाजिक इंजीनियरिंग और मानवीय त्रुटियों से उत्पन्न जोखिमों को कम कर सकते हैं।

अंतिम विचार:

जैसे-जैसे हम अपनी डिजिटल परिवर्तन यात्रा जारी रखते हैं, एक मज़बूत साइबर सुरक्षा संस्कृति बनाना उन्नत तकनीकों की तैनाती जितना ही महत्वपूर्ण है। सक्रिय जोखिम प्रबंधन, समय पर खतरे की जानकारी साझा करना और निरंतर उपयोगकर्ता शिक्षा एक सुरक्षित डिजिटल भविष्य के आधार स्तंभ हैं। "साइबर सुरक्षा केवल तकनीक की बात नहीं है- यह विश्वास, सतर्कता और साझी जिम्मेदारी की बात है।" आइए हम सूचित रहें, सुरक्षित रहें और अपनी डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा में एक-दूसरे का सहयोग करें।

श्रीलता गोर्ला
वैज्ञानिक-डी एवं संयुक्त निदेशक (आईटी)
srilatha.gorla@nic.in

संपादकीय समिति
के. राधा कृष्ण, वैज्ञानिक-एफ एवं ए एस आई ओ राज्य
अच्युता वेणु लट्टय, वैज्ञानिक-एफ एवं ए एस आई ओ जिला
गोवर्धन श्रीकांत, वैज्ञानिक-एफ
एस. श्रीनिवास राव, वैज्ञानिक-ई

आयोजन एवं समन्वय समिति
रेनिल जॉन, वैज्ञानिक-एफ एवं ए एस आई ओ जिला
रवि बंदी, वैज्ञानिक-सी
बी. सीता महालक्ष्मी, वैज्ञानिक-सी
एम. प्रतिभा रेड्डी, वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-बी

040-23494150
sio-tg@nic.in
https://tg.nic.in